बृहस्पतिवार
34 साल से देहरादून का विश्वास
26 फरवरी 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 34
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

गैंगरेप: तीन आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। उत्तराखण्ड में हुए गैंगरेप प्रकरण में पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में एक आरोपी उपचाराधीन है। जिसकी निगरानी की जा रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने बताया कि बीती 24 फरवरी को एक महिला ने कोतवाली रूद्रपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि वह 22 फरवरी को अपने देवर के साथ गांधी पार्क में आयोजित सरस मेले से वापस लौट रही थी।

रात्रि लगभग 9 बजे मोदी मैदान के पास उसके देवर के परिचित तीन युवक दो मोटरसाइकिलों से आए। आरोप है कि पीड़िता को ठंडी सड़क क्षेत्र के सुनसान स्थान पर ले जाकर दो युवकों द्वारा उसके साथ दुष्कर्म किया गया तथा घटना का वीडियो भी बनाया गया। पीड़िता अपने घर से गांधी पार्क सरस मेले में गई थी जहां पर उसका देवर करन उसे

पैदल-पैदल मोदी मैदान पर ले गया जहां पर उसने पहले से मौजूद राजा रस्तोगी, विशाल व चाइना से मुलाकात की और चाइना से बात की। बात करने के बाद चाइना व करन पीड़िता को मोटर साइकिल से लेकर ठंडी सड़क पर 15 एकड़ मैदान पर ले गये जो एफएसएल के पीछे है। वहां पर पीछे-पीछे विशाल व राजा रस्तोगी भी आ गए। जहां पर पहले अभय सक्सेना उर्फ चाइना ने पीड़िता के साथ बलात्कार किया और उसके बाद राजा रस्तोगी ने पीड़िता के साथ बलात्कार किया।

मौके पर करन, पीड़िता का देवर तथा विशाल भी थे जिनके द्वारा कोई विरोध बलात्कार का नहीं किया गया। मामले में पुलिस ने सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान आरोपियों की संलिप्तता प्रकाश में आने पर एक सूचना के तहत जिला चिकित्सालय रुद्रपुर के पास से राजा रस्तोगी पुत्र राम निवास रस्तोगी निवासी वार्ड नं. 18, पाल आटा चक्की के पीछे, खेड़ा, कोतवाली रुद्रपुर, जनपद ऊधमसिंह नगर, विशाल गुप्ता उर्फ बिट्टू पुत्र सरेश चन्द्र गुप्ता, हाल निवासी भदईपुरा वार्ड नं. 13 रुद्रपुर, स्थायी निवासी वार्ड नं0 01 गैस एजेंसी, यूनियन गली, रेलवे स्टेशन के पास किच्छा, जनपद ऊधम सिंह नगर, करन सिंह पुत्र सतीश सिंह, निवासी वार्ड नं0 14, भदईपुरा, बंगाली मंदिर के पास, रुद्रपुर, जनपद ऊधमसिंह नगर व अभय सक्सेना उर्फ चाईना पुत्र रविन्द्र सक्सेना निवासी वार्ड नं. 14 भदईपुरा, थाना रुद्रपुर द्वारा 24 फरवरी को विषाक्त पदार्थ का सेवन किए जाने की सूचना प्राप्त हुई है। वर्तमान में उसका उपचार जिला चिकित्सालय रुद्रपुर में चल रहा है को गिरफ्तार कर लिया गया है।

विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा और कांग्रेस ने कमर कसी

'एंटी इनकबेंसी' बनाम 'अस्तित्व'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रदेश में वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके लिए भाजपा और कांग्रेस ने अभी से कमर कस ली है। भाजपा के बडेघ नेताओं के दौरे प्रदेश में लगने शुरू हो गए हैं और कांग्रेस इस बार कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ना चाहती है। आगामी विधानसभा चुनाव जहां कांग्रेस के लिए 'अस्तित्व' की लड़ाई और भाजपा के लिए एंटी एनकबेंसी की चुनौती है। कुल मिलाकर भाजपा और कांग्रेस के लिए यह चुनाव खास है।

सत्ता से दूर कांग्रेस इस विधानसभा चुनाव में 'एंटी इनकबेंसी' आसान शब्दों में सत्ता विरोधी लहर चलाकर सत्ता हथियाने की तैयारियां कर रही हैं। कांग्रेस की पहली प्राथमिकता यह है कि प्रदेश में सरकार के खिलाफ अभी से मैदान सजाकर उस पर राजनीति की जाए। इसके लिए कांग्रेस पार्टी अभी से आक्रामक हो गई है। कांग्रेस नित ध

रना-प्रदर्शन से सरकार के लिए समस्या खड़ी करने में लगी है।

वैसे भी कांग्रेस पार्टी प्रदेश में पेपर लीक, अंकिता भंडारी हत्याकांड में वीआईपी का खुलासा सहित बेरोजगारी को लेकर सरकार को घेर रही है। राजनीतिज्ञ बताते हैं कि प्रदेश में पिछले 6 महीने के भीतर कांग्रेस का ग्राफ गढ़वाल क्षेत्र में काफी बड़ा है, जिसका मुख्य कारण भाजपा के नेताओं के मुंह से निकली राजनीतिक बयानबाजी काफी हद तक कांग्रेस की मदद कर रही है।

दूसरी ओर कांग्रेस के आक्रामक रूख के चलते सीएम पुष्कर धामी भी अधिक आक्रामक नजर आ रहे हैं। सीएम धामी अब वायदों और दावों को लेकर विपक्ष के हमलों पर भी तेजी से पलटवार कर रहे हैं। धामी अपनी बड़ी उपलब्धियों को और वर्ष 2022 के चुनावी वायदे को पूरा कर राजनीतिक एजेंडे को लेकर धरातल पर उतर रहे हैं। वहीं केंद्र और राज्य की कई महत्वपूर्ण विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करने के बल से मुख्यमंत्री को ऊर्जा मिल रही है। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए जमीन तैयार कर दी है। समान नागरिक संहिता सहित कई अन्य मास्टर स्ट्रोक खेलकर विपक्ष का मुंह बंद करने की तैयारी चल रही है। दूसरी ओर क्षेत्रीय दल यूकेडी से जुड़कर युवा भी मैदान में उतरकर सरकार की राह में कांटे बिछाने का काम कर रहे हैं।

क्या है एंटी इनकबेंसी

एंटी इनकंबेंसी, जिसे आसान भाषा में सत्ता विरोधी लहर भी कहा जाता है। अक्सर चुनावों से पहले एंटी इनकंबेंसी को लेकर खूब चर्चा छिड़ती है। ऐसा कहा जाता है कि जब जनता एक शासन से आहत हो जाती है और चुनावों में सरकार के खिलाफ माहौल बनता है और रिजल्ट सत्तारूढ़ दल के पक्ष में नहीं जाता है तो उसे सत्ता विरोधी लहर का नाम दे दिया जाता है। आसान शब्दों में कहें तो एंटी इनकंबेंसी का मतलब मौजूदा सरकार या जन प्रतिनिधियों के खिलाफ असंतोष की आंधी चलना है। ऐसी परिस्थिति उस समय उत्पन्न होती है जब जनता महसूस करती है कि मौजूदा सरकार ने उसकी अपेक्षाओं के हिसाब से काम नहीं किया है और उनके कार्यकाल में महज समस्याएं ही उत्पन्न हुई हैं।

●भाजपा के बड़े नेताओं केदौरे प्रदेश में लगने शुरु
●कांग्रेस भी कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ना चाहती
●भाजपा व कांग्रेस के लिए विधानसभा चुनाव है खास

दून वैली मेल

संपादकीय

अंतर कलह शिकार भाजपा

बात चाहे भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र की एनडीए सरकार की हो या फिर किसी भी भाजपा शासित राज्य की, भाजपा ने सिंगल, डबल और ट्रिपल इंजन सरकारों के गठन तथा एक दशक से मोदी है तो मुमकिन है, के फलसफे पर सवार भाजपा ने जीतेगी तो भाजपा ही, जैसे नामुमकिन असत्य को सत्य में तब्दील करने का करिश्मा कर दिखाया हो लेकिन सत्ता के दम्भ ने भाजपा को अब उस मुकाम पर लाकर खड़ा कर दिया है कि उसे विपक्षी हमलों से ज्यादा अपनी आंतरिक गुटबाजी व अंतर्कलह से निपटना भी भारी पड़ रहा है। जिस रीति नीति के जरिए भाजपा ने यह मुकाम हासिल किया था वहीं अब उसके लिए सर दर्द बन चुकी है। बात उत्तराखंड की की जाए तो राज्य के माननीय विधायकों और मंत्रियों तथा पार्टी पदाधिकारियों के कारण सूबे की सरकार तथा सीएम ध ामी को आए दिन ऐसी तमाम स्थितियों से दो-चार होना पड़ रहा है जो सरकार और पार्टी की छवि को खराब कर रही हैं। ताजा प्रकरण प्राथमिक शिक्षा विभाग के निदेशक पर हुआ हमला इसका एक उदाहरण है। भले ही इस मामले में दोनों पक्षों द्वारा पुलिस थाने में एक एफआईआर दर्ज कराई गई हो तथा पुलिस द्वारा विधायक के साथ गए कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया हो अथवा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट यह कह रहे हो कि जब विधायक ने माफी मांग ली तो मामला खत्म हो जाना चाहिए इस पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए। लेकिन क्या उनके यह कहने भर से ही सब कुछ ठीक हो जाएगा? इस मुद्दे को लेकर शिक्षक संघ और कर्मचारी संगठन अभी भी विधायक पर कार्रवाई न होने को लेकर नाराज है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि राजनीति कौन कर रहा है और राजनीति क्यों की जा रही है। राजनीति करने में विपक्ष तो महज एक मुखौटा भर है। असल में राजनीति का केंद्र तो भाजपा के अंदर ही है जिस पर अब न तो महेंद्र भट्ट का कोई नियंत्रण है और न सीएम पुष्करण सिंह धामी का। यह कोई पहला मुद्दा नहीं है अभी इससे पूर्व अंकिता भंडारी हत्याकांड में जो वीआईपी का जिन्न बोतल से बाहर निकल कर आया था जिसने दिल्ली से दून तक पूरी बीजेपी को जकझोर कर रख दिया था वह भी विपक्ष की नहीं खुद भाजपा नेताओं की करतूत का नमूना था। जिसमें महेंद्र भट्ट तक को लपेटे में ले लिया गया था। सीबीआई जांच के आदेश के बाद भी इसने अभी तक भाजपा का पीछा नहीं छोड़ा है। बात चाहे पेपर लीक मामले की हो जिसकी जांच की सीबीआई संस्तुति करने पर सरकार को विवश होना पड़ा। अथवा गदरपुर विधायक और पूर्व शिक्षा मंत्री अरविंद पांडे के द्वारा उठाए जाने वाले उन सवालों की जो सरकार को असहज करते रहे हैं। यही बात चाहे किसी माननीय द्वारा आय से अधिक संपत्तियां जुटाने की हो और जांच अथवा गैरसैंण की राजधानी बनाने के फैसले और जगह के चुनाव पर सवाल उठाने वाले विध ायक की और उनके समर्थन में पत्रकारों से यह कहने वाले धर्मपुर विधायक की क्या आप अपने 80 साल के बुजुर्ग पिता को ऐसी जगह में भेज सकते हैं। भाजपा की नीति रीतियों व कामकाज पर सवाल उठाने वालों पर भाजपा ने ही कोई कार्रवाई कभी नहीं की तो और किसी की जरूरत भी क्या है।

लघु व्यापारियों ने उत्पीडन के खिलाफ किया नगर निगम का घेराव

संवाददाता

हरिद्वार। नगर निगम पर अतिक्रमण के नाम पर रेडी पटरी के लघु व्यापारियों का उत्पीडन करने का आरोप लगाते हुए लघु व्यापारियों ने नगर निगम का घेराव किया।

आज यहां नगर निगम प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के नाम पर रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों के शोषण व उत्पीड़न के विरोध में बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन के बाहर रेलवे रोड इत्यादि क्षेत्रों के स्थानीय कारोबारी रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों ने सामूहिक रूप से नगर निगम का घेराव कर नगर निगम द्वारा वर्ष 2025 और 2026 के निर्गत किए गए लाइसेंस को दर्शाते हुए पुनः रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड के बाहर अलग से वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन कर धरना दिया।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर योजना, उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली 2016 के नियम अनुसार वर्ष 2018 में सर्वे सूची के पंजीकृत नगर निगम के लाइसेंस धारक सभी (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को बस स्टैंड रेलवे स्टैंड के बाहर वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किया जाना न्यायसंगत होगा उन्होंने कहा हरिद्वार नगर निगम क्षेत्र मे अलग-अलग स्थान पर वर्ष 2018 से सभी नगर निगम में पंजीकृत स्ट्रीट वेंडर्स को नगर निगम प्रशासन द्वारा लाइसेंस व परिचय पत्र निर्गत किए जाते रहे हैं सभी क्षेत्र के लाइसेंस धारकों स्वरोजगार करने की अनुमति के साथ जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन को संयुक्त रूप से नगर निगम प्रशासन द्वारा पत्राचार के माध्यम से अवगत कराना चाहिए ताकि अतिक्रमण अभियान के दौरान वैधानिक स्ट्रीट वेंडर्स का किसी प्रकार का उत्पीड़न व शोषण ना हो सके।

नगर निगम प्रांगण में अपनी एक सूत्री मांगों के लिए धरना प्रदर्शन कर रहे लघु व्यापारियों के बीच अपर नगर आयुक्त दीपक कुमार गोस्वामी ने वार्ता के लिए आमंत्रित कर धरना प्रदर्शन कर रहे सभी लघु व्यापारियों को आश्वासित किया उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली की पत्रावली वही फेरी समिति की बैठक के निर्णय के प्रशिक्षण कर संबंधित अधिकारियों को उचित निर्देश दिए जाएंगे। नगर निगम का घेराव कर धरना प्रदर्शन कर रहे लघु व्यापारियों के समर्थन में संबोधित करते व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष राजकुमार, फूल सिंह, सुनील कुकरेती, राकेश कुमार, लालचंद गुप्ता, धर्मपाल, विजय गुप्ता, नरसिंह, सचिन, विकास, भोला यादव, कपिल कुमार, विकी, चंदन रावत, जय सिंह बिष्ट, सचिन कुमार ,रिशिपाल, सुभाष ,अर्जुन, दिनेश, नरेश, अमर सिंह, कमल, पवन कुमार आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

चाकू सहित एक बदमाश दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारदात की फिराक में घूम रहे एक बदमाश को पुलिस ने धारदार चाकू सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली रुड़की पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान जब पुलिस महिंद्रा ट्रैक्टर एजेंसी, नहर पटरी रोड, रुड़की क्षेत्र में पहुची तो उसे वहां एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने का प्रयास करने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम अमन पुत्र नसीम निवासी हरिजन बस्ती लडोरा, कोतवाली मंगलौर, जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

कोरोनेशन अस्पताल की कुव्यवस्थाओं को करें दूरःत्यागी

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन के सचिव सुशील त्यागी ने कहा कि कोरोनेशन अस्पताल की आपातकालीन सेवा की कुव्यवस्थाओं को दूर किया जाये।

आज यहां संयुक्त नागरिक संगठन के सचिव सुशील त्यागी ने कहा कि दून के कोरोनेशन अस्पताल के आपातकालीन विभाग में व्याप्त कुव्यवस्थाओं को दूर करने/प्रियंका चौहान को इमरजेंसी में समुचित चिकित्सा न मिलने के जिम्मेदार अधिकारी स्टाफ को दुर्गम क्षेत्र में ट्रांसफर करने/स्वास्थ्य सचिव राजेश कुमार द्वारा इमरजेंसी सेवाओं हेतु एक साल पूर्व जारी एसओपी के अंतर्गत मरीजों की चिकित्सा में नैतिक दायित्वो,मरीज के अधिकारों को भी सुनिश्चित करने के साथ साथ सभी निर्देशों को राज्य के चिकित्सालयों के आपातकालीन कक्षों के बाहर प्रदर्शित करने की मांग। संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से राज्यपाल मुख्यमंत्री मुख्यसचिव स्वास्थ्य सचिव जिलाधिकारी को भेजे गए पत्रों में दर्द से तड़पती युवती ने खोली अस्पताल में आपातकालीन व्यवस्थाओं की पोल, इमरजेंसी से ओपीडी के काटे चक्कर शीर्षक से प्रकाशित समाचार(सलग्न कटिंग)तथा हादसे में घायल युवती प्रियंका चौहान के आंसू पीड़ाओं को व्यक्त करती वीडियो देखकर संगठन सचिव सुशील त्यागी ने लिखा है कि राजधानी के कोरोनेशन अस्पताल में व्याप्त कुव्यवस्थाओ पर हमें शर्म आती है, दुख भी। लिखा है सरकारी तंत्र के मुखिया सब इस अस्पताल से मात्र कुछ किलोमीटर की परिधि में कार्यरत है लेकिन जिम्मेदार कुछ चिकित्सकों में लापरवाही व्याप्त जो दुर्भाग्य है। इसे रोका जाना होगा। इन्होंने अनुरोध किया है की इस दर्दनाक घटना में कठोर कार्यवाही करते हुए पूर्व स्वास्थ्य सचिव राजेश कुमार द्वारा जनवरी 2025 में जनहित में आपातकालीन सेवाओं के संबंध में जारी एसओपी को प्रदेश के सभी चिकित्सालयों के आपातकालीन कक्षाओं के बाहर सूचनापट्ट लगाकर सार्वजनिक करने का कष्ट करें। इससे आपातकालीन सेवाओं की सुलभता तथा चिकित्सा अधिकारियों की आंखें खुली रहेगी तथा गंभीर रोगी भी राहत महसूस कर सकेंगे! एसओपी के अंतर्गत जारी निर्देश में आपातकालीन चिकित्सा के दौरान मरीज की देखभाल में नैतिक दायित्वों को भी रेखांकित करते हुए रोगियों के हितों और अधिकारों को प्राथमिकता स्पष्ट करने,आपातकाल चिकित्सा में मरीज की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखने को आवश्यक बनाते हुए आपातकाल व्यक्ति-केंद्रित देखभाल व्यवस्था सुनिश्चित करने,एसओपी के अंतर्गत पर्याप्त संसाधन व स्टाफ की व्यवस्था करने तथा इलाज में अनावश्यक देरी पर जिम्मेदार कार्मिक पर कार्यवाही को भी गिनाया गया है। ज्ञातव है की पूर्व में सभी चिकित्सा अधिकारियों को ये निर्देश जारी किए गए पर नतीजा सिफर है।

त्यागी ने आपातकालीन चिकित्सा में विभाग को तत्काल उचित जीवन रक्षक देखभाल प्रदान करने,भावनात्मक सुरक्षा और व्यक्ति-केंद्रित देखभाल करने के साथ आपातकालीन विभाग रोगी की देखभाल के लिए पर्याप्त संसाधन व स्टाफ की व्यवस्था सुनिश्चित करना भी निर्देशों का उल्लेखनीय भाग बताया है। इनमें किसी मरीज को देखने में हुई अनावश्यक देरी की स्थिति में इमरजेंसी प्रभारी/एमएस दोषी ईएमओ,एसआर या संकाय सदस्य के विरुद्ध कार्रवाई करने के भी निर्देश भी महत्वपूर्ण हैं और एसओपी में शामिल हैं।

रविन्द्र सिंह राठौर बने पैरा पावरलिफ्टिंग के उपाध्यक्ष

संवाददाता

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड के लिए गर्व का क्षण है कि रविंद्र सिंह राठौर को पैरा पावरलिफ्टिंग उत्तराखंड का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति पत्र औपचारिक रूप से जेपी सिंह (चेयरमैन, पैरा पावरलिफ्टिंग पीसीआई), एसपी सांगवान (उपाध्यक्ष, पैरालम्बिंग कामेटी ऑफ इंण्डिया), जेसी जैन (चेयरमैन, सीओईआर यूनिवर्सिटी), गौरव बेदी (डायरेक्टर, पैरा पावरलिफ्टिंग) तथा सूर्यांश जैन (अध्यक्ष, पैरा पावरलिफ्टिंग उत्तराखंड) द्वारा प्रदान किया गया। पैरा पावरलिफ्टिंग उत्तराखंड, से संबद्ध है, जो कि पैरालिलम्बिंग कमेटी ऑफ इण्डिया की इकाई है। नवनियुक्त उपाध्यक्ष रविंद्र ने कहा कि यह दायित्व उनके लिए केवल एक पद नहीं बल्कि सेवा और समर्पण का संकल्प है उनका लक्ष्य उत्तराखंड के पैरा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना प्रशिक्षण सुविधाओं को सुदृढ़ करना तथा युवाओं को खेलों से जोड़कर आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों से उत्तराखंड पैरा पावरलिफ्टिंग के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल करेगा और हमारे प्रदेश के खिलाड़ी देश का नाम रोशन करेंगे।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

अल्मोड़ा(आरएनएस)। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देशन में जिले के विभिन्न स्थानों पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अल्मोड़ा के अध्यक्ष श्रीकांत पांडे के मार्गदर्शन में सचिव शचि शर्मा ने सरस्वती विद्या मंदिर शिवाजी नगर, सरस्वती बाल विद्या निकेतन खत्याड़ी और ग्राम चौसली में शिविरों का संचालन किया। सरस्वती विद्या मंदिर में विद्यार्थियों ने शिक्षा का अधिकार और बाल विवाह प्रतिषेध विषयों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर जागरूकता का संदेश दिया। वहीं ग्राम चौसली में रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। शिविरों में उपस्थित विद्यार्थियों और ग्रामीणों को कर सुधार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नि:शुल्क विधिक सहायता, गुड टच-बैड टच, किशोर न्याय अधिनियम, महिलाओं और बच्चों के अधिकार, घरेलू हिंसा से जुड़े कानून, दहेज प्रतिषेध, बाल विवाह निषेध, पाक्सो अधिनियम 2012 सहित विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं, ई-ट्रू कॉपी, महिला मुआवजा योजना 2020, पीसी और पीएनडीटी अधिनियम, एनडीपीएस अधिनियम तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों के बारे में भी जागरूक किया गया।

सतत विकास लक्ष्य के प्रभावी क्रियान्वयन पर हुई चर्चा

उत्तरकाशी(आरएनएस)। कलेक्ट्रेट सभागार में सतत विकास लक्ष्य, पीएम गतिशक्ति एवं विजन 2047 के प्रभावी क्रियान्वयन को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजित की गई। कार्यशाला में वक्ताओं ने बताया कि एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड राज्य देश में प्रथम स्थान पर रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार 13 जनपदों में उत्तरकाशी तृतीय स्थान पर रहा है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न कार्यशाला संपन्न हुई। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और स्वच्छता अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया जा रहा है। सतत पर्यटन को बढ़ावा देकर स्थानीय रोजगार सृजन, वनीकरण, भूस्खलन रोकथाम और आपदा प्रबंधन योजनाओं को लागू किया जा रहा है। सीपीपीजीजी, नियोजन विभाग से शैलेंद्र सिंह एवं ऐश्वर्य सिंह, पीएम गतिशक्ति विशेषज्ञ देहरादून से ऐश्वर्य सिंह ने कार्यशाला में उक्त विषयों पर चर्चा की। जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी अतुल आनंद ने ने एसडीजी के बारे में जानकारी दी कि जिला संकेतक फ्रेमवर्क में 132 संकेतक हैं, जिनमें से 43 संकेतकों पर प्रतिमाह सूचना संकलित कर सीपीपीजीजी को भेजी जाती है।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने सीखे आत्मरक्षा के व्यावहारिक गुर

उत्तरकाशी(आरएनएस)। राष्ट्रीय सेवा योजना की पहल पर बीएल जुवांठा पीजी कॉलेज में विशेष शिविर का आयोजन किया गया जिसमें स्वयंसेवकों को आत्मरक्षा के व्यावहारिक कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उपनिरीक्षक अक्षुरानी व एलआईसी की प्रतिनिधि किरन ने स्वयंसेवकों को विभिन्न परिस्थितियों में आत्म सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान बचाव की बुनियादी तकनीकों का प्रदर्शन कर स्वयंसेवकों को व्यवहारिक अभ्यास भी कराया गया जिससे वे आपात परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। शिविर में कुल 75 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गौहर फातिमा एवं भूपाल सिंह कर्की के मार्गदर्शन में किया गया। महाविद्यालय प्रशासन ने इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन निरंतर कराने की बात कही।

देव डोलियों की सानिध्य में शुरु हुआ रेणुका विकास मेला

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जनपद के स्थापना दिवस पर डुंडा स्थित रेणुका देवी मंदिर परिसर में रेणुका विकास मेला शुरू हुआ। इस दौर क्षेत्र के ग्रामीणों ने देव डोलियों के साथ नृत्य कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं, पहले दिन मंच पर स्कूली बच्चों सहित लोक गायकों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मनोरंजन किया। रेणुका माता मंदिर परिसर में मेले का शुभारंभ डुंडा ब्लॉक प्रमुख राजदीप परमार, भाजपा के जिलाध्यक्ष नागेंद्र चौहान ने मां रेणुका देवी और कचडू देवता के सानिध्य में विधिवत पूजा-अर्चना की। भाजपा जिलाध्यक्ष नागेंद्र चौहान ने इस मेले के आयोजन करने के लिए डुंडा ब्लॉक प्रमुख राजदीप परमार की सराहना की। कहा कि इस तरह के मेलों को बढ़ावा देने की जरूरत है। मेला अध्यक्ष ब्लाक प्रमुख राजदीप परमार ने सभी लोगों को जनपद के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मेले में स्थानीय देव डोलियों के साथ कलाकारों को मौका दिया गया है। साथ ही भविष्य में इस मेले को और भव्य रूप दिया जाएगा। इसके बाद मंच पर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों सहित स्थानीय कलाकारों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। वहीं, मेला प्रांगण में दूर दराज से आई देव डोलियों और ग्रामीणों ने जमकर नृत्य किया।

क्वारब मार्ग की बदहाली पर कांग्रेस का प्रदर्शन, पुतला दहन कर जताया विरोध

अल्मोड़ा(आरएनएस)। क्वारब मोटर मार्ग की खराब स्थिति को लेकर मंगलवार को नगर कांग्रेस कमेटी ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा और सरकार का पुतला दहन कर आक्रोश जताया गया।

अल्मोड़ा महानगर कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने क्वारब डेंजर जोन के स्थायी समाधान न होने पर नाराजगी व्यक्त की। वक्ताओं ने कहा कि करीब 200 मीटर के इस डेंजर जोन पर राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य सड़क और लोक निर्माण विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले दो वर्षों में 60 से 70 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, इसके बावजूद सड़क की स्थिति और अधिक खतरनाक हो गई है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पूर्व में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा द्वारा वैकल्पिक मार्ग निर्माण की घोषणा की गई थी, लेकिन वह मार्ग भी भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में होने के कारण खराब हो चुका है। उनका कहना था कि केंद्र और राज्य सरकार की उदासीनता और कथित भ्रष्टाचार के कारण पहाड़ की जनता को भ्रमित किया जा रहा है, जबकि दोनों ही मार्ग भविष्य के लिए सुरक्षित नहीं हैं। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही क्वारब मार्ग की मरम्मत और सुरक्षा से जुड़े कार्य शुरू नहीं किए गए तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज, महानगर अध्यक्ष ताराचंद जोशी, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट, पूर्व पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद जोशी, दीप सिंह डांगी, मोहम्मद दानिश खान, तारा तिवारी, दीपा शाह, गोविंद सिंह मेहरा, सुशील शाह, शरद शाह, वैभव पांडे, हेमंत तिवारी, प्रदीप कुमार, मुकेश कुमार डैनी, अशोक गोस्वामी, नारायण दत्त पांडे, शहाबुद्दीन, कमलेश तिवारी, परितोष जोशी, शहजाद कश्मीरी, अमरजीत सिंह भाकुनी, आनंद सिंह बिष्ट, पीडी भट्ट, देवेंद्र चौहान, रॉबिन भंडारी, प्रताप सिंह सत्याल और जसवंत कुमार शाहिद सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिविर में 140 पूर्व सैनिकों ने किया रक्तदान

ऋषिकेश(आरएनएस)। रायवाला पूर्व सैनिक संगठन भवन में 196 फील्ड रेजीमेंट के 62वें स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें एम्स ऋषिकेश और पूर्व सैनिक संगठन ने सहयोग दिया। शिविर में कुल 140 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया। रायवाला पूर्व सैनिक संगठन भवन में आयोजित शिविर का शुभारंभ कर्नल नरेंद्र सिंह और उनकी पत्नी दीपक कंवर ने रिबन काटकर किया। ब्रिगेडियर विभाकर त्यागी और मीनाक्षी त्यागी ने भी शिविर में पहुंचकर रक्तदान किया। उन्होंने रेजीमेंट को स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। हमारा छोटा सा प्रयास कई जिंदगियां बचा सकता है।

ज्ञानसू और बाड़ागड्डी इलेवन की टीम ने जीते मुकाबले

उत्तरकाशी(आरएनएस)। शहर के आजाद मैदान में सौरभ फाउंडेशन की ओर से स्व. सौरभ भट्ट की पुण्य स्मृति में आयोजित प्रथम मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 के आठवें दिन पहला मुकाबला ज्ञानसू 11 और चिड़ावीर सालंग इलेवन के बीच खेला गया। इस मुकाबले में ज्ञानसू इलेवन की टीम 17 रन से जीती। ज्ञानसू इलेवन ने निर्धारित 15 ओवरों में 102 रन बनाकर विपक्षी टीम के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी चिड़ावीर सालंग इलेवन की टीम 15 ओवरों में 85 रन ही बना सकी। मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रिंस कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दिन का दूसरा मुकाबला हरि महाराज बाड़ागड्डी इलेवन और नर्सिंग इलेवन पाव सिंगोट के बीच खेला गया। पाव सिंगोट ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 108 रन बनाए। जवाब में हरि महाराज बाड़ागड्डी इलेवन ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 111 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच कैलाश रमोला रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रधान रैथल मनोज राणा उपस्थित रहे। उनके साथ क्षेत्र पंचायत सदस्य बगसारी धनारी पृथ्वीपाल मटूडा एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य बोंगा सुमित गुसाईं भी मौजूद रहे। इस मौके पर जसपाल चौहान, सूरज रावत, जयवीर नेगी, अध्यक्ष आकाश भट्ट, सदस्य रोहित, विश्वविद्यालय प्रतिनिधि आयुष बिष्ट, छात्रसंघ अध्यक्ष विनय मोहन चौहान, महासचिव शुभम चमोली आदि थे।

यमुनोत्री यात्रा रूट पर पहली बार बनेगा अस्थायी पशु अस्पताल

उत्तरकाशी(आरएनएस)। यमुनोत्री धाम यात्रा रूट पर पहली बार घोड़ा-खच्चरों के स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए अस्थायी पशु अस्पताल का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की ओर से एसडीएम बड़कोट और पशुपालन विभाग के अधिकारियों को संयुक्त निरीक्षण कर भूमि चयनित करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का दावा है कि चारधाम यात्रा से पहले वहां पर अस्पताल का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। यमुनोत्री धाम यात्रा रूट पर सबसे अधिक परेशानी बेजुबान घोड़े-खच्चर की स्वास्थ्य सुविधा को बनी रहती है। पांच किमी की खड़ी चढ़ाई और ढलान पर कई बार घोड़ा-खच्चर चोटिल हो जाते हैं। साथ की कई बीमारियों से भी ग्रसित हो जाते हैं। गत वर्ष केदारनाथ में घोड़े-खच्चरों के बीमार होने से संचालकों को परेशानी बढ़ गई थी। उसके बाद यमुनोत्री में भी आनन-फानन में पशुपालन विभाग की ओर से जानवरों की मेडिकल जांच की गई थी। उसमें कई घोड़े-खच्चर बीमार पाए गए। साथ ही कई बार घोड़े-खच्चरों को सही समय पर उपचार नहीं मिल पाता था। इसका मुख्य कारण यह था कि यमुनोत्री धाम यात्रा पड़ाव और जानकीचट्टी में पशुपालन विभाग के डॉक्टरों और कर्मचारियों के सुविधा न होने के कारण कई बार समय पर नहीं पहुंच पाते थे।

इसको देखने हुए जिलाधिकारी की ओर से यमुनोत्री धाम यात्रा संबंधित विभागों की बैठक में निर्देश दिए गए कि यमुनोत्री यात्रा रूट पर एक प्रीफेब्रीकेटेड पशु अस्पताल का निर्माण किया जाए। सीवीओ एचएस बिष्ट ने कहा कि डीएम के निर्देश पर एक सप्ताह के भीतर अस्तपाल के लिए यमुनोत्री यात्रा रूट पर अस्पताल के लिए भूमि चयनित किया जाएगा।

हाईवे का हो सुधारीकरण, सभी व्यवस्थाएं समय से करें दुरुस्त

चमोली(आरएनएस)। चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी गौरव कुमार और पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने कमेड़ा से बदरीनाथ धाम (160 किमी) तक बदरीनाथ हाईवे का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने इस दौरान हाईवे पर सुधारीकरण कार्यों के साथ ही पेयजल, शौचालय, पंजीकरण, स्वास्थ्य, पार्किंग, स्ट्रीट लाइट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम ने अधिकारियों को यात्रा शुरू होने से पहले सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए। बदरीनाथ धाम की तीर्थयात्रा आगामी 23 अप्रैल से शुरू होगी। यात्रा को निर्विघ्न संचालित करने के लिए चमोली जिला प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। मंगलवार को डीएम और एसपी ने जिलास्तरीय अधिकारियों के साथ बदरीनाथ हाईवे पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएम ने एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों को यात्रा मार्ग के खतरनाक स्थानों पर फ्लड लाइट लगवाने व भूस्खलन क्षेत्रों से पूर्व साइन बोर्ड स्थापित करने के निर्देश दिए। जल संस्थान व पेयजल निगम को हैंडपंप व वाटर एटीएम की सफाई करने, नगर पालिका, नगर पंचायत, जिला पंचायत व सुलभ इंटरनेशनल के अधिकारियों को शौचालयों को चालू करने व साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने, स्वास्थ्य विभाग को यात्रा मार्ग पर जांच केंद्र स्थापित करने के साथ ही अस्पतालों की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर एसडीएम चंद्रशेखर वशिष्ठ, एसडीएम कर्णप्रयाग सोहन सिंह रांगड़, सीएमओ डॉ. अभिषेक गुप्ता, एनएचआईडीसीएल के परियोजना प्रबंधक अंकित राणा, जिला पर्यटन विकास अधिकारी अरविंद गौड़, नगर पालिका ज्योतिर्मठ के ईओ सुनील पुरोहित, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी, जिला पूर्ति अधिकारी अंकित पांडेय के साथ ही कई अधिकारी मौजूद रहे।

गलत मुद्रा में सोने से गर्दन में अकड़न आ गई? इन तरीकों से करें ठीक

अकड़न एक ऐसी समस्या है, जो गर्दन के आस-पास की मांसपेशियों में तनाव के कारण हो सकती है। इसका मुख्य कारण सोते समय गर्दन का गलत तरीके से टेढ़ा होना हो सकता है। इसके कारण सुबह उठते ही गर्दन में दर्द और अकड़न महसूस होती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू उपाय बताते हैं, जो गर्दन की अकड़न को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

गर्म सिकाई करें

गर्दन की अकड़न को दूर करने के लिए गर्म सिकाई करना एक असरदार तरीका हो सकता है। इसके लिए आप एक गर्म पानी की बोतल या फिर तौलिए को गर्म करें और उसे प्रभावित हिस्से पर रखें। यह प्रक्रिया लगभग 15-20 मिनट तक करें। इससे खून का बहाव बढ़ता है और अकड़न में राहत मिलती है। गर्म सिकाई से मांसपेशियों को आराम मिलता है और दर्द कम होता है, जिससे आपको जल्दी राहत मिल सकती है।

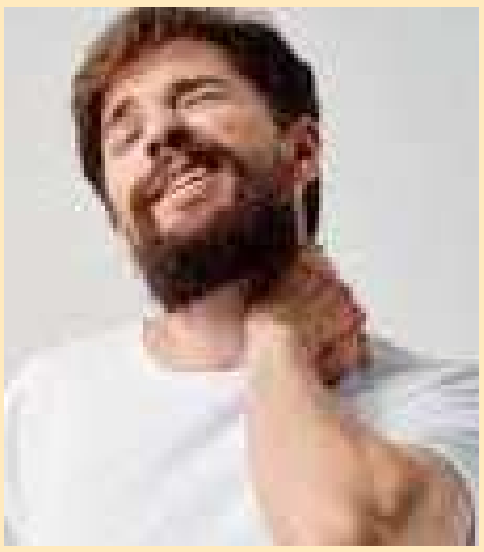

हल्की स्ट्रेचिंग करें

गर्दन की अकड़न को ठीक करने के लिए हल्की स्ट्रेचिंग करना फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए आप धीरे-धीरे सिर को आगे-पीछे, दाएं-बाएं घुमाएं। इससे गर्दन की मांसपेशियां ढीली होती हैं और दर्द में कमी आती है। स्ट्रेचिंग करते समय ध्यान रखें कि यह बहुत हल्के हाथों से करें ताकि किसी प्रकार की चोट न हो। इस प्रक्रिया को दिन में कुछ बार दोहराएं और धीरे-धीरे गर्दन की गति बढ़ाएं। इससे आपको जल्दी राहत मिलेगी।

तेल की मालिश करें

गर्दन की अकड़न को दूर करने के लिए तेल की मालिश करना एक पुराना और असरदार तरीका है। इसके लिए सरसों या नारियल तेल का इस्तेमाल करें। तेल को हल्का गर्म करके प्रभावित हिस्से पर मालिश करें। इससे खून का बहाव बढ़ता है और मांसपेशियों को आराम मिलता है। मालिश करने से दर्द कम होता है और अकड़न में राहत मिलती है। इसे नियमित रूप से करने पर गर्दन की अकड़न जल्दी ठीक हो सकती है।

ठंडी सिकाई करें

ठंडी सिकाई भी गर्दन की अकड़न को ठीक करने में मदद कर सकती है। बर्फ के टुकड़ों को साफ कपड़े में लपेटकर प्रभावित हिस्से पर रखें। इससे सूजन कम होती है और दर्द में राहत मिलती है। ठंडी सिकाई से मांसपेशियां ढीली होती हैं और आपको आराम मिलता है। इसे दिन में 2-3 बार दोहराएं। ध्यान रखें कि बर्फ सीधे त्वचा पर न लगाएं, हमेशा कपड़े का उपयोग करें।

सही तकिया चुनें

सोते समय सही तकिया चुनना बहुत जरूरी है ताकि गर्दन को सही समर्थन मिल सके। ऐसा तकिया चुनें, जो आपकी गर्दन और सिर को सही तरीके से सहारा दे सके। बहुत ऊंचा या नीचा तकिया न लें क्योंकि इससे अकड़न बढ़ सकती है। इन घरेलू उपायों को अपनाकर आप अपनी गर्दन की अकड़न को जल्दी ठीक कर सकते हैं और आराम पा सकते हैं। नियमित अभ्यास से आपको लंबे समय तक राहत मिलेगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

क्या शबाना महमूद ब्रिटेन की प्रधानमंत्री बनेंगी?

डॉ. सुधीर सक्सेना

वह सुदर्शना है। सुशिक्षिता है। युवा और अनुभवी हैं। तत्पर और प्रत्युत्पन्नमति हैं। संसद और बाहर वह मुखर है। कलुष के बेदब दौर में उनकी छवि बेदाग और उजली है। इतनी खूबियों से सुसज्ज शबाना महमूद इन दिनों सुर्खियों में हैं। संप्रति वह ब्रिटेन की सेक्रेट्री फार द होम यानि गृहमंत्री है। एप्सटीन फाइल्स के जेरे-बहस दौर में इस आशय की अटकलों का सब्जा दरो-दीवार और मुंडेरों पर उग आया है कि क्या वह ब्रिटेन की प्रधानमंत्री होंगी। फिलहाल उनके और प्रधानमंत्री पद के दरम्यान एक सोपान का फासला है। यदि वह प्रधानमंत्री बनती हैं, तो वह एशियाई मूल की दूसरी और मुस्लिम संप्रदाय की पहली महिला होंगी। गौरतलब है कि भारतीय मूल के ऋषि सूनक इसके पूर्व ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का पद संभाल चुके है, जबकि शबाना पाकिस्तानी मूल की नेत्री है।

लोकतंत्र के जनक ब्रिटेन में इन दिनों कुख्यात एप्सटीन फाइल्स को लेकर बावेला मचा हुआ है। कई राजनेता पद त्याग को बाध्य हुये हैं। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर भी खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। यदि दबाव अधिक बढ़ा तो मजबूरन उन्हें इस्तीफा देना पड़ सकता है। इस कयास के मद्देनजर शबाना महमूद के पीएम बनने की संभावना प्रबल है। 45 वर्षीया शबाना सत्तारुढ़ ब्रिटिश लेबर पार्टी की सदस्या और बैरिस्टर हैं। वह पहले पहल सन 2010 में मई के आमचुनाव में बर्मिंघम लेडीवुड से एमपी चुनी गयी थीं। तदंतर वह चुनावों में लगातार विजयी हुई। जीत की हैटट्रिक बना चुकी शबाना ब्रिटिश लेबर पार्टी की अग्रणी नेताओं में शुमार हैं। सन 2024-25 में सेकेट्री फार जस्टिस यानि न्यायमंत्री रहने के बाद गत वर्ष उन्हें गृह जैसा महत्वपूर्ण महकमा सौंपा गया।

17 सितंबर, सन 1980 को बर्मिंघम में जनमी शबाना के परिवार की जड़े पाकअधिकृत काशमीर में मीरपुर में है। माँ जुनेदा और पिता महमूद अहमद की संतान शबाना के दो भाई और एक बहन है। अनमें एक उनका जुड़वा भाई है। सन 1981 से 1986 तक वह परिवार के साथ सऊदी अरब तैफ में रहीं जहां उनके पिता सिविल इंजीनियर थे।

उसके बाद परिवार बर्मिंघम चला आया। पिता जहाँ लेबर गर्टी से जुड़ गये, वहीं मां स्वयं की सुविधा-शॉप का संचालन करने लगीं 11वीं कक्षा में अनुतीर्ण रहने पर वह स्माल हीथ स्कूल और किंग एडवर्ड षष्टम कैंप हिल स्कूल में पढ़ीं। अंततः उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के अंतर्गत लिंकन कॉलेज से कानून में उपाधि हासिल की। पूर्व पीएम ऋषि सूनक कॉलेज में उनसे एक दर्जा आगे थे और शबाना जूनियर कॉमन रूम के चुनाव में ऋषि ने उन्हें वोट देने का वायदा किया था।

युवा शबाना बर्मिंघम में पिता के राजनीतिक कार्यों में हाथ तो बंटाती थीं, अलबत्ता उनकी ख्वाहिश थी कि वह बैरिस्टर बने। उनकी यह ख्वाहिश पूरी हुई। सन 2010 में जब निवर्तमान सांसद क्लेयर शार्ट ने बर्मिंघम से चुनाव लड़ने की अनिच्छा व्यक्त की तो शबाना ने दावेदारी की होड़ में याई मॉर्स्क्रटो को पीछे छोड़ दिया। इस द्वन्द ने इलाके में जातीय धड़ेवाजी को को बढ़ावा दिया, वह फिलिस्तीन समर्थक और इस्त्रायली उत्पादों के बहिष्कार की हिमायती नेत्री के तौर पर उभरीं। विवाद होने पर उन्होंने सतर्कतापूर्वक अपने पाँव पीछे खींच लिये, लेकिन इसने उनकी छवि जियोनिज्म (यहूदीवाद) विरोध की बना दी। वह इस्लाम में गहरी आस्था के लिये भी जानी गयीं और उन्होंने इसे कभी छुपाया नहीं। शबाना, रोशनआरा अली और यास्मीन कुरैशी की तिकड़ी ने बीते दशक में खासी शोहरत कमाई। लेबर नेता जेरेमी कार्बिन्स से मतभेदो को उन्होंने कभी छिपाया नहीं और साहसपूर्वक दायित्व संभालने की पेशकशों को ठुकरा दिया। बहरहाल, सितंबर 2023 में कीर स्टार्मर ने उन्हें शैडो सेक्रेट्री बनाया। सन 2024 के आम चुनाव में उनका मुकाबला निर्दलीय अखमेद याकूब से हुआ, लेकिन वह विजयी रहीं। जुलाई, 2024 उनके लिये नेमत लेकर आई, जब स्टार्मर ने उन्हें न्याय सचिव और लार्ड चांसलर बनाया। इस ओहदे को संभालने वाली वह तीसरी महिला और पहली मुस्लिम थीं।

शबाना दो टूक कहती हैं कि इस्लाम उनका अपना धर्म है और अन्य इस्लाम धर्मावलंबियों की भांति उनके जीवन में आस्था महत्त्वपूर्ण तत्त्व है। यह तत्व उनके समस्त कार्यों का प्रेरक है। अवैध आव्रजन को लेकर शबाना की भावभंगिमा कठोर है और वह अवैध आव्रजकों और दंगाइयों से कठोरता से निपटने में यकीन रखती हैं। उन्हें ब्रिटिश लेबर पार्टी के अनुदार नीले (ब्लू) धड़े की मेंबर के तौर पर देखा और जाना जाता है। एप्सटीन फाइल्स के नामों के उजागर होने के बाद जिस तरह परिस्थितियां बदल रही है, उनसे यह कयास लगाया जा रहा है कि शबाना कल ब्रिटेन की पहली मुस्लिम महिला प्रधानमंत्री हो सकती है

शब्द सामर्थ्य -055

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

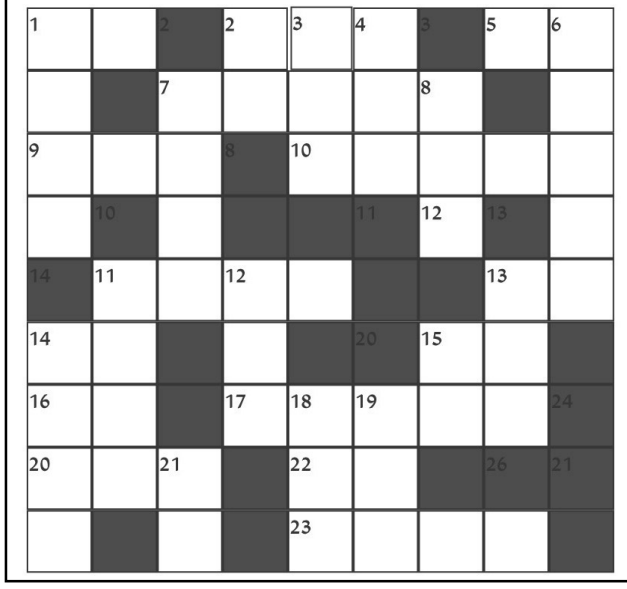

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 54 का हल

ग	ल	त	ज्ञ	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	■	रं	■	■	मि
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

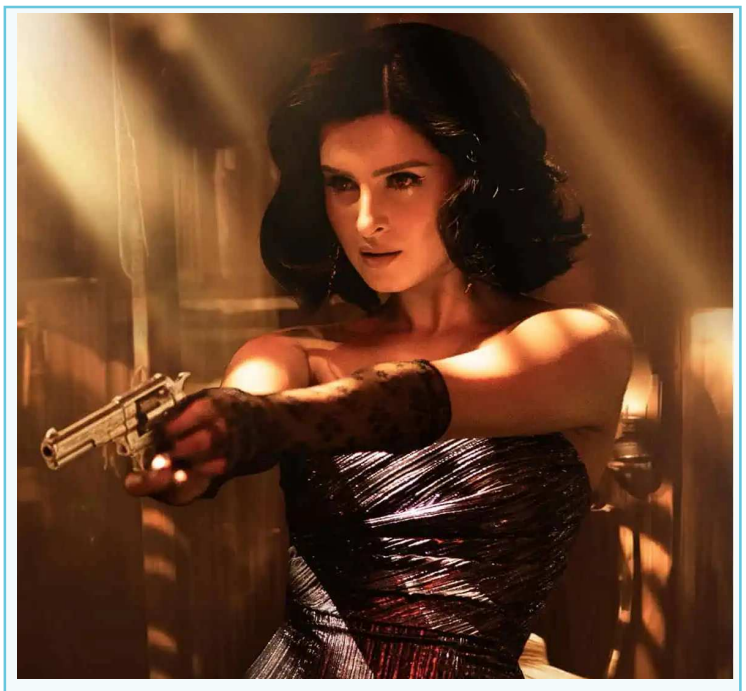

टॉक्सिक से तारा सुतारिया का फर्स्ट लुक आउट!

कन्नड़ सुपरस्टार यश स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म टॉक्सिक अपने रिलीज ईयर में आ चुकी है। फिल्म मार्च 2026 में रिलीज होगी और फिल्म से एक के बाद एक हसीनाओं के फर्स्ट लुक सामने आ रहे हैं। कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी और नयनतारा के बाद अब फिल्म से तारा सुतारिया का भी फर्स्ट लुक सामने आया है। टॉक्सिक के मेकर्स ने तारा सुतारिया का एक अवतार में फर्स्ट लुक साझा किया है। जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज डेट नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे फिल्म की एक्ट्रेस के फर्स्ट लुक भी सामने आ रहे हैं। चलिए जानते हैं फिल्म टॉक्सिक में तारा सुतारिया का क्या रोल होगा।

गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनने वाली फिल्म टॉक्सिक से आए तारा सुतारिया के फर्स्ट लुक की बात करें तो वह ऑफ शॉल्डर डार्क ड्रेस में हाथ में गन लिए दिख रही हैं। शोल्डर कट हेयर स्टाइल और आंखों में टागरेट लिए तारा का इंटेंस लुक काफी इंप्रेसिव दिख रहा है। तारा फिल्म टॉक्सिक में रेबेका का रोल करने जा रही हैं। इस हिसाब से टॉक्सिक एक मास एक्शन फिल्म बनने जा रही है। इससे पहले फिल्म से नयनतारा का डैशिंग फर्स्ट लुक आया था। फिल्म में नयनतारा का रोल गंगा नामक लड़की का होगा। वहीं, हुमा कुरैशी एलिजाबेथ और कियारा आडवाणी नाडिया के रोल में होंगी। टॉक्सिक से आए इन चारों एक्ट्रेस के रोल काफी इंटरेस्टिंग, सरप्राइजिंग और मिस्टीरियस हैं।

फिल्म टॉक्सिक की बात करें तो इसे यश और गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखा है। फिल्म का निर्देशन गीतू ने किया है। फिल्म के निर्माता वेंकट नारायण और यश हैं। फिल्म कन्नड़ और इंग्लिश में शूट हुई है, वहीं हिंदी, तेलुगु, तमिल, मलयालम और भी कई भाषाओं में डब होगी। टॉक्सिक आगामी 19 मार्च को उगादी, गुड़ी पड़वा और ईद के मौके पर रिलीज होने जा रही है। 19 मार्च को गुरुवार है और फिल्म को चार दिनों का फेस्टिव वीकेंड मिलने जा रहा है। फिल्म से यश का फर्स्ट लुक पहले ही रिलीज हो चुका है और केजीएफ स्टार के फैंस को उनकी इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म बीते एक साल से भी ज्यादा समय से तैयार हो रही है। यश पूरे चार साल बाद बड़े पर्दे पर धमाका मचाने आ रहे हैं।

जिंदगी न मिलेगी दोबारा 2 के साथ फिर मचेगा धमाल, सीक्वल पर आई ये जानकारी

साल 2011 में रिलीज फिल्म जिंदगी न मिलेगी दोबारा अपने सीक्वल को लेकर काफी समय से चर्चा में है। फिल्म निर्माता जोया अख्तर एक बार फिर अपनी पसंदीदा तिकड़ी ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल को पर्दे पर वापस लाने की तैयारी कर रही हैं। बताया जाता है कि उन्होंने बहुप्रतीक्षित सीक्वल का पहला ड्राफ्ट पूरा कर लिया है। इस खबर ने फैंस की खुशी को सांतवें आसमान पर पहुंचा गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सीक्वल में ऋतिक, फरहान और अभय के किरदार 40 की उम्र में दिखाए जाएंगे। एक सूत्र ने बताया, जोया ने आखिरकार ऐसा ड्राफ्ट तय कर लिया है जिससे वह संतुष्ट हैं। उनका हमेशा से यही कहना था कि जिंदगी ना मिलेगी दोबारा का सीक्वल तभी बनेगा जब उसमें कुछ नया कहने को होगा। यह पुरानी यादों को ताजा करने वाली फिल्म नहीं है; फिल्म बीते समय और तीनों पुरुषों की जिंदगी में आए बदलावों को दर्शाती है। जिंदगी न मिलेगी दोबारा 2 पर अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि मूल कलाकारों के साथ बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, तीनों कलाकारों को वापस लाने का इरादा है, लेकिन यह सब तारीखों के तालमेल पर निर्भर करता है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो दहाड़ 2 की शूटिंग के बाद, सीक्वल पर इस साल के अंत तक काम शुरू हो जाएगा। अब देखना होगा कि निर्माता आधिकारिक ऐलान कब करते हैं।

आयशा शर्मा की क्रिएटिव यात्रा में नया मोड़: अब बनीं लेखिका भी अभिनेत्री

आयशा शर्मा अपनी रचनात्मक पहचान को एक नया आयाम दे रही हैं। अब वे पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के साथ बतौर लेखिका डेब्यू कर रही हैं। सोशल मीडिया पर अपनी दमदार मौजूदगी और एक गहराई से जुड़ी कम्युनिटी के लिए जानी जाने वाली आयशा शर्मा ने धीरे-धीरे अपनी एक अलग आवाज़ बनाई है, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। इस किताब के जरिए वह अभिव्यक्ति का एक और रास्ता तलाश रही हैं-एक ऐसा रास्ता जो ठहराव, आत्मचिंतन और भावनात्मक ईमानदारी को जगह देता है। उनकी पहली किताब सौ छोटे-छोटे ध्यानपूर्ण विचारों का संग्रह है, जो ताकत, कोमलता और आत्म-प्रेम के इर्द-गिर्द बुना गया है। रोजमर्रा की भावनाओं से जुड़ी यह किताब खास तौर पर उन लोगों के लिए है जो थकान, आत्म-संदेह और हर वक्त खुद को साबित करने के दबाव से जूझ रहे हैं। यह किताब हल देने का दावा नहीं करती, बल्कि एक ऐसा स्पेस बनाती है जहाँ पाठक खुद को पहचान सकें और एक सुकून भरी तसल्ली महसूस कर सकें। किताब के पीछे की भावना साझा करते हुए आयशा शर्मा कहती हैं, मेरा मानना है कि सही किताब आपको सही समय पर मिलती है। उम्मीद है यह किताब आपको तब मिले जब आपको इसकी सबसे ज्यादा जरूरत हो। और जब मिले, तो आपको ऐसा महसूस हो जैसे किसी ने चुपचाप आपको गले लगा लिया हो। मेरे पास सारे जवाब नहीं हैं, लेकिन अगर मेरी लिखी बातों में आपको लगे कि ये तो वही एहसास है जिसे मैं हमेशा महसूस करती थी, पर शब्द नहीं दे पाती थी, तो मेरे लिए वही काफी है।

आयशा शर्मा के लिए लेखन उनकी डिजिटल मौजूदगी का स्वाभाविक विस्तार है, जहाँ आत्म-विकास, भावनात्मक संतुलन और अंदरूनी सफर जैसे विषय पहले से ही उनके दर्शकों से गहराई से जुड़ते हैं। यह नया अध्याय उनकी उस कोशिश को दर्शाता है जिसमें वह अभिनय, डिजिटल कहानी कहने और अब लेखन-तीनों के बीच सहजता से सफर करती हुई एक मुकम्मल क्रिएटिव पहचान गढ़ रही हैं।

बॉक्सिंग ग्लव्स पहनकर रिंग में उतरीं फातिमा सना शेख, दिखाया फुल पावर अवतार

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फातिमा सना शेख अपनी फिल्मों और सोशल मीडिया पोस्ट से दर्शकों का खास ध्यान खींचती हैं। उन्होंने मंगलवार को एक मजेदार पोस्ट किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वे बॉक्सिंग ग्लव्स पहने हुए नजर आ रही हैं, जबकि कुछ में वे रिंग के अंदर आत्मविश्वास से भरे पोज देती दिख रही हैं। उनका पूरा लुक काफी पावरफुल और एनर्जेटिक लग रहा है, लेकिन अभिनेत्री की आखिरी स्लाइड काफी मजेदार है, जिसमें उन्होंने बॉक्सिंग के महान खिलाड़ी अमेरिका के प्रोफेशनल बॉक्सिंग चैंपियन मोहम्मद अली की एक आइकॉनिक तस्वीर लगाई है। अभिनेत्री ने लिखा, तितली की तरह हल्के रहो, और मधुमक्खी की तरह वार करो, मुहम्मद।

फातिम ने अपनी इस पोस्ट के जरिए न सिर्फ अपनी फिटनेस को दर्शाया है बल्कि मोहम्मद अली के इंस्पिरेशन कोट्स को भी दिखाया है। अभिनेत्री का पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे कयास लगा रहे हैं कि आने वाली फिल्म में शायद वे बॉक्सिंग की भूमिका में होंगी।

1997 में फिल्म चाची 420 में बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली फातिमा सना ने बॉलीवुड में कई यादगार फिल्मों में काम किया है, जिनमें लूडो, अजीब दास्तां, और सैम बहादुर शामिल हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर ऐसे पोस्ट शेयर करती हैं, जो मोटिवेशनल और मजेदार होते हैं।

फातिमा इन दिनों कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं, जिसका खुलासा जल्द ही होगा। इससे पहले वे विजय वर्मा के साथ फिल्म गुस्ताख इश्क में नजर आई थीं। फिल्म में दोनों के अलावा, अभिनेता नसीरुद्दीन शाह और प्रतिभाशाली कलाकार शारिब हाशमी भी अहम रोल में थे।

फिल्म को लेकर दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया आई थी और बॉक्स ऑफिस पर भी ज्यादा कमाई नहीं कर पाई थी। हालांकि, शुरुआत में फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर काफी क्रेज देखा गया था।

मेले में जैविक खेती को बढ़ावा, उत्कृष्ट किसान सम्मानित

रुद्रपुर(आरएनएस)। एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन की ओर से ग्राम नकुलिया में बहुउद्देशीय किसान मेले का आयोजन किया गया। मेले में किसानों ने जैविक सब्जियां, गन्ना, जैविक खाद और हस्तनिर्मित उत्पादों के स्टॉल लगाए। उत्कृष्ट किसानों को सम्मानित भी किया गया। मुख्य वक्ता जैविक उत्पादक किसान सुरेश राणा ने कहा कि जैविक खाद के प्रयोग से की गई खेती समाज के लिए अत्यंत लाभकारी है। उन्होंने बताया कि जैविक खेती एक टिकाऊ कृषि प्रणाली है, जो रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और हानिकारक रसायनों के बिना प्राकृतिक खाद, कंपोस्ट, हरी खाद और फसल चक्र पर आधारित होती है। इससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है और स्वास्थ्यवर्धक एवं पौष्टिक भोजन सुनिश्चित होता है। संयोजक महेश मित्तल ने कहा कि रसायनों के स्थान पर गोबर की खाद, केंचुआ खाद, जैविक कवकनाशी और मित्र कीटों का उपयोग किया जाता है, जिससे मिट्टी की संरचना में सुधार, जल धारण क्षमता में वृद्धि और प्रदूषण में कमी आती है। कार्यक्रम में एकल के बच्चों ने देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। यहां अरविंद कन्नौजिया, दिनेश भारद्वाज, लाल सिंह दायमा, महेश मित्तल, उमेश अग्रवाल, संतोष मिश्रा, उदय राणा, सुरेश राणा, जगदीश पांडे, मधु शर्मा, शांति पांडे, शैली बंसल, गीता गड़कोटी, संगीता जोशी,अंकुर पाल, सत्येंद्र राणा मौजूद रहे।

40 साल पुरानी थत्यूड़-अलमस सड़क आज भी संकरी, ग्रामीणों में भारी रोष

नई टिहरी(आरएनएस)। थत्यूड़-अलमस आठ किलोमीटर सड़क चौड़ीकरण नहीं हो पा रहा है। चार दशक पुरानी सड़क का स्थानीय लोग लंबे समय से चौड़ीकरण करने की मांग कर हैं लेकिन शासन-प्रशासन के स्तर पर कोई सार्थक प्रयास नहीं होने से लोगों में आक्रोश है। सड़क संकरी होने से दुर्घटना की आंशका बनी रहती है। अलमस बैंड से यह सड़क ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ को जोड़ती है जिस पर तीन पट्टियों के गांव के लोग आवागमन करते हैं। अलमस बैंड से आगे भवान- नगुण- उत्तरकाशी -देहरादून को जोड़ने वाली सड़क का वर्ष 2023- 24 में चौड़ीकरण के साथ सुधारीकरण का कार्य हो चुका है, लेकिन ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ को जोड़ने वाली आठ किलोमीटर हिस्से को छोड़ दिया गया है। पूर्व ब्लॉक प्रमुख सीता रावत, जिला पंचायत सदस्य सविता देवी, प्रधान सरस्वती रावत, कुलबीर रावत ने बताया कि सड़क को बने हुए 40 वर्ष से अधिक हो चुका है। क्षेत्र के लोग जिला प्रशासन से लेकर शासन स्तर तक सड़क चौड़ीकरण की गुहार लगा चुके हैं लेकिन समस्या यथावत बनी हुई है। सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण वाहन एक साथ पास नहीं हो पाते हैं। इस संबंध में विधायक प्रीतम सिंह पंवार का कहना है थत्यूड़-अलमस सड़क संकरी होने से दिक्कतें आ रही है। विभाग को इसके चौड़ीकरण के लिए शासन को प्रस्ताव प्रेषित करना चाहिए।

सू- दोकू क्र.055

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.54का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

यमुनोत्री पैदल मार्ग पर घोड़े-खच्चरों के संचालन के लिए बनेगी एसओपी

उत्तरकाशी(आरएनएस)। इस वर्ष चारधाम यात्रा के दौरान यमुनोत्री धाम पैदल मार्ग पर घोड़ा-खच्चर संचालन के लिए जिला प्रशासन की ओर से एसओपी तैयार की जाएगी। इसके तहत यात्रा रूट पर चलने वाले घोड़ा-खच्चरों की सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए जाएंगे। इसमें पशु क्रूरता को लेकर सख्त कदम उठाए जाएंगे। साथ ही शाम छह बजे के बाद यमुनोत्री धाम के पैदल रूट पर घोड़े-खच्चरों का संचालन नहीं किया जाएगा।

डीएम प्रशांत आर्य ने यमुनोत्री धाम में घोड़े-खच्चरों के संचालन के लिए जिला पंचायत सहित पशु पालन विभाग को संयुक्त रूप से एसओपी तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इस पर जल्द ही दोनों विभागों की ओर से यमुनोत्री पैदल मार्ग का निरीक्षण किया जाएगा।

डीएम की ओर से विशेष तौर पर पशु क्रूरता को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने को कहा है। यमुनोत्री धाम पैदल मार्ग पर हर वर्ष 3500 से 4000 घोड़े-खच्चरों का संचालन यात्रियों को धाम ले जाने और वहां से लाने के लिए किया जाता है। गत वर्ष वहां पर 3600 का पंजीकरण किया गया था।

इस दौरान मुनाफा कमाने के लिए इनके संचालक जानवरों से अतिरिक्त कार्य करवाते हैं। इससे घोड़े-खच्चरों की मौत हो जाती है। इसलिए अगर इस वर्ष जानवरों पर अतिरिक्त कार्य और बोझ डालने वालों पर पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा। साथ ही घोड़े-खच्चरों के लिए मार्ग में गर्म पानी और चारे की नियमित व्यवस्था की जाएगी।

वहीं, किसी घोड़े-खच्चरे के मरने पर उसे दफनाने के लिए भी नियमित स्थान चिह्नित किया जाएगा। साथ ही मानकों के अनुसार एक बार में 600 घोड़े-खच्चरों को ट्रैक पर जाने की अनुमति होगी। इनमें से 100 को जानकीचट्टी लौटने के बाद ही अन्य को धाम तक जाने की अनुमति दी जाएगी।

मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी एचएस बिष्ट ने कहा कि जिलाधिकारी ने एसओपी बनाने के निर्देश दिए हैं।

राज्य आंदोलनकारियों के 16 नामों पर समिति ने दी सहमति

नई टिहरी(आरएनएस)। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण को लेकर डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में वंचित आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण से संबंधित प्रकरणों पर चर्चा की गई। बैठक में 16 प्रकरणों पर सहमति प्रदान की गई जबकि एक प्रकरण को अगली बैठक में शपथपत्र उपलब्ध कराने के बाद सहमति देने का आश्वासन मिला। जिला सभागार में डीएम नितिका की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रस्तुत कुल आवेदनों में से तीन आवेदनों पर एसडीएम और पुलिस विभाग की संस्तुति के क्रम में चयन के लिए संस्तुति प्रदान की गई जिस पर डीएम व समिति के सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया। समिति ने तहसील नैनबाग के ग्राम कसोन निवासी सुरेंद्र सिंह के प्रकरण में अगली बैठक में शपथपत्र प्रस्तुत करने के बाद संस्तुति देने का निर्णय लिया। बैठक में मतेंद्र दत्त बहुगुणा, संजय सजवाण, हरिकृष्ण कंसवाल, मुकुल देव, नीतीश कुड़ियाल, शाकंबरी देवी, कांति कपरवाण, विजय लक्ष्मी मौजूद रहे।

खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी, सात नमूने जांच के लिए भेजे

अल्मोड़ा(आरएनएस)। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मासी, चौखुटिया और द्वाराहाट क्षेत्र में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया।

कार्रवाई राज्य आयुक्त और जिलाधिकारी के निर्देश पर की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी विपिन कुमार ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कारोबारियों को पक्के बिल या कैश मेमो के आधार पर ही खाद्य पदार्थों की खरीद-फरोख्त करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रतिष्ठानों में स्वच्छता बनाए रखने, खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने और लाइसेंस या पंजीकरण प्रदर्शित करने के लिए कहा गया। भंडारण की व्यवस्था, निर्माण तिथि और समाप्ति तिथि का विशेष ध्यान रखने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान टीम ने घी, पनीर, सॉस और नमकीन समेत कुल सात खाद्य नमूने संदेह के आधार पर एकत्र किए। इन नमूनों को जांच के लिए उत्तराखंड खाद्य एवं औषधि विश्लेषक संस्थान भेजा गया है।

जनसंवाद में जनता और पुलिस के बीच विश्वास मजबूत करने पर चर्चा

उत्तरकाशी(आरएनएस)। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने बीते सोमवार शाम को यमुनाघाटी पहुंचकर कोतवाली बड़कोट में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, होटल एसोसिएशन, व्यापार मंडल पदाधिकारियों और आम नागरिकों के साथ जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान जनसुनवाई करते हुए पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत करने पर चर्चा की गई और बेहतर पुलिसिंग के लिए सुझाव आमंत्रित किए गए। आगामी चारधाम यात्रा-2026 को ध्यान में रखते हुए एसपी ने होटल एसोसिएशन और उपस्थित लोगों के साथ विस्तृत चर्चा की। विशेष रूप से पहले पड़ाव यमुनोत्री धाम की यात्रा को सरल, सुरक्षित और सुगम बनाने पर जोर दिया गया। एसपी ने नशा उन्मूलन, साइबर अपराध और महिला अपराधों के प्रति सजगता पर बल देते हुए सभी से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय सहभागिता की अपील की।

ढौरा में मशरूम स्वास्थ्य भी, स्वरोजगार भी अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर आयोजित

अल्मोड़ा(आरएनएस)। मशरूम स्वास्थ्य भी, स्वरोजगार भी अभियान के तहत विकासखंड के ढौरा गांव में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया।

मोहन उप्रेती लोक संस्कृति कला एवं विज्ञान शोध समिति की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं को स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ मशरूम उत्पादन और पोषण से जुड़ी जानकारी दी गई। संस्था के अध्यक्ष हेमंत कुमार जोशी ने बताया कि पिछले 11 महीनों से चल रहे इस कार्यक्रम के दूसरे चरण में गांव की महिलाओं को पहले मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण दिया गया और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया गया।

उन्होंने कहा कि गांव में मशरूम उत्पादन इकाई भी स्थापित की गई है, जिससे महिलाओं को आय के नए अवसर मिल रहे हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित इस कार्यक्रम में गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक अशोक कुमार साहनी ने भाग लिया।

उन्होंने महिलाओं को पहाड़ के पारंपरिक मोटे अनाज के पोषण महत्व के बारे में जानकारी दी और स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। संस्था के सचिव कमल पांडे ने बताया कि इस वर्ष महिलाओं को दो प्रकार के मशरूम का प्रशिक्षण दिया गया है और उन्हें इसके नियमित सेवन के लिए भी जागरूक किया जा रहा है।

स्वास्थ्य शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी दीक्षा वर्मा ने महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की, जबकि प्रोजेक्ट मैनेजर नमिता टम्टा ने मशरूम के पोषण और स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी महिलाओं को अशोक कुमार साहनी द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। साथ ही महिलाओं को ओयस्टर मशरूम का पाउडर और सूखे मशरूम भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रोजेक्ट फील्ड असिस्टेंट काजल बिष्ट के साथ मोनिका, दीक्षा, निधि, निकिता, सुजल और करन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं को परखने के लिए डीएम ने किया औचक निरीक्षण

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता परखने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने देर रात औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक सक्रियता का सशक्त संदेश दिया। डीएम ने उप जिला मेला चिकित्सालय और जिला महिला चिकित्सालय पहुंचकर व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया तथा मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की हकीकत परखी।

बता दें कि देर रात सबसे पहले डीएम उप जिला मेला चिकित्सालय पहुंचे, जहां उन्होंने ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों से भर्ती मरीजों की स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद वार्डों में पहुंचकर मरीजों और उनके तीमारदारों से सीधे संवाद किया। उपचार, दवाइयों और भोजन व्यवस्था को लेकर फीडबैक लिया गया। तीमारदारों ने बताया कि उपचार संतोषजनक है और भोजन समय पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए बेडशीट और कंबलों की नियमित धुलाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को मरीजों के लिए नए कंबल खरीदने और स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन कराने को कहा। इसके पश्चात डीएम जिला महिला चिकित्सालय पहुंचे और सभी वार्डों का निरीक्षण किया। लेबर रूम का जायजा लेते हुए उन्होंने प्रसव हेतु भर्ती महिलाओं की स्थिति जानी। ड्यूटी पर तैनात डॉ. शिवंशी ने बताया कि दो महिलाएं प्रसव के लिए भर्ती हैं, जबकि 13 महिलाओं का प्रसव हो चुका है और वे अस्पताल में भर्ती हैं।

डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रसव के मामलों में अनावश्यक रेफर न किया जाए और सभी गर्भवती महिलाओं को अस्पताल में ही समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई बेहतर रखने, सभी सीसीटीवी कैमरों को चालू हालत में रखने, खराब विद्युत लाइटों को शीघ्र ठीक कराने, पेयजल व्यवस्था दुरुस्त रखने और खराब वाटर कूलर को तत्काल ठीक करने के निर्देश दिए। साथ ही पुराने साइन बोर्ड बदलने, वेटिंग एरिया में एलईडी टीवी दुरुस्त रखने तथा सफाई कर्मचारियों को वर्दी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए।

आईएसबीटी पार्किंग से स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने आईएसबीटी पार्किंग से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएमएस रोड निवासी हरि सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से आईएसबीटी गया था तथा उसने अपनी स्कूटी पार्किंग में खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

युवक से मारपीट करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

उत्तरकाशी। युवक से मारपीट करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली बडकोट क्षेत्रान्तर्गत यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग, कुथनौर के पास स्कूली छात्र के साथ मारपीट की घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उक्त प्रकरण सभी को स्पष्ट करते हुये पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय द्वारा बताया गया कि 24 फरवरी 2026 को मामले में पीडित पक्ष की तहरीर व मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर पुलिस द्वारा छात्र के साथ मारपीट करने वाले युवक सुमित भण्डारी के विरुद्ध कोतवाली बडकोट पर बीएनएस की धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर छानबीन व विवेचनात्मक कार्यवाही की जा रही है।

युवक से मारपीट करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

उत्तरकाशी। युवक से मारपीट करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली बडकोट क्षेत्रान्तर्गत यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग, कुथनौर के पास स्कूली छात्र के साथ मारपीट की घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उक्त प्रकरण सभी को स्पष्ट करते हुये पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय द्वारा बताया गया कि 24 फरवरी 2026 को मामले में पीडित पक्ष की तहरीर व मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर पुलिस द्वारा छात्र के साथ मारपीट करने वाले युवक सुमित भण्डारी के विरुद्ध कोतवाली बडकोट पर बीएनएस की धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर छानबीन व विवेचनात्मक कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने किया नयार वैली फेस्टिवल का उद्घाटन

कार्यालय संवाददाता

पौड़ी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को जनपद पौड़ी गढ़वाल के बिलखेत में आयोजित नयार वैली फेस्टिवल का शुभारंभ किया। इस महोत्सव के शुभारंभ के साथ ही नयार घाटी की पर्यटन, संस्कृति एवं साहसिक गतिविधियों की अपार संभावनाओं को नई पहचान मिलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई है।

मुख्यमंत्री ने नयार घाटी में पैराग्लाइडिंग प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना करने, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विकासखंड पोखड़ा में रसलवाँण दीवा मंदिर स्थलीय कार्य, विकासखंड बीरोंखाल में कालिंका मंदिर स्थलीय कार्य, विकासखंड एकेश्वर में एकेश्वर महादेव मंदिर स्थलीय कार्य तथा विकासखंड पाबौ में चम्पेश्वर महादेव मंदिर से जुड़े विकास कार्यों की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग की लाभार्थी करिश्मा और सलोनी को महालक्ष्मी किट प्रदान की, योगिता की गोदभराई की रस्म संपन्न कराई तथा समाज कल्याण विभाग के लाभार्थियों तुलसीदास एवं बीरेन्द्र को दिव्यांग उपकरण भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने महिला समूहों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनके अनुभव जाने और सरकार की योजनाओं का लाभ अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने पर बल दिया। उन्होंने साइक्लिस्टों तथा एंगलरों से भी संवाद कर उनके साहस और उत्साह की सराहना की।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने पैराग्लाइडिंग, पैरामोटरिंग, हॉट एयर बैलून, माउंटेन बाइकिंग, कयाकिंग, एंगलिंग, जिपलाइन, बर्मा ब्रिज, रिवर्स बंजी सहित विभिन्न एडवेंचर गतिविधियों का फ्लैग ऑफ कर औपचारिक शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि नयार वैली क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य और साहसिक पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है तथा ऐसे आयोजनों से स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने सभी को होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं और कहा कि नयार घाटी सहित जनपद पौड़ी गढ़वाल का यह संपूर्ण क्षेत्र अपनी मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और साहसिक संभावनाओं के कारण अत्यंत अद्वितीय है। प्रकृति ने इस क्षेत्र को सौंदर्य और रोमांच का अनुपम संगम प्रदान किया है, जिससे यह साहसिक पर्यटन और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए आदर्श स्थल बनता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद के समग्र विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। श्रीनगर में 650 करोड़ रुपये की लागत से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का निर्माण प्रगति पर है, जबकि खोह नदी को प्रदूषण मुक्त और स्वच्छ बनाने के लिए 135 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जा रहा है। पौड़ी के गड़िया गांव में प्रदेश की पहली एनसीसी अकादमी का निर्माण, कोटद्वार में 11 करोड़ की लागत से सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट और मालन नदी पर पुल निर्माण कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा पौड़ी के ऐतिहासिक कलेक्ट्रेट भवन को हेरिटेज के रूप में संरक्षित किया जा रहा है तथा सतपुली में सिंचाई निरीक्षण भवन का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोटद्वार में खेल सुविधाओं के विस्तार, 50 बेड वाले आधुनिक चिकित्सालय के निर्माण, सीडीएस पार्क में विशाल तिरंगा, विज्ञान संग्रहालय, ट्राइडेंट पार्क, सतपुली झील, 20 करोड़ की लागत से माउंटेन म्यूजियम एवं तारामंडल जैसी परियोजनाएं भविष्य में पर्यटन और रोजगार के नए अवसर सृजित करेंगी।

एसडीजी, पीएम गतिशक्ति एवं विजन-2047 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कार्यशाला आयोजित

हमारे संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनपद में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी), पीएम गतिशक्ति एवं विजन-2047 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आज कलेक्ट्रेट सभागार में एक दिवसीय जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने की।

कार्यशाला में सीपीपीजीजी-नियोजन विभाग एवं पीएम गतिशक्ति से जुड़े विषय विशेषज्ञों द्वारा अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विशेषज्ञों ने सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु डेटा आधारित योजना निर्माण, संसाधनों के समन्वित उपयोग तथा अवसंरचना विकास के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने पर विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला में बताया गया कि नीति आयोग द्वारा प्रकाशित एसडीजी इंडेक्स रिपोर्ट 2023-24 के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य ने सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसी क्रम में जनपद स्तर पर भी 17 सतत विकास लक्ष्यों के अंतर्गत विभिन्न संकेतकों की समीक्षा की गई। पूर्व वर्षों के प्रदर्शन का विश्लेषण करते हुए उन क्षेत्रों की पहचान की गई, जहां सुधार की आवश्यकता है। विशेषज्ञों ने इन संकेतकों में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति हेतु आवश्यक रणनीतियों पर सुझाव साझा किए। इसके साथ ही "विकसित उत्तराखण्ड विजन-2047" की अवधारणा पर विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि विकसित राज्य की परिकल्पना केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए बेहतर जीवन स्तर, समग्र कल्याण, रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु-संवेदनशील अवसंरचना निर्माण इसका प्रमुख उद्देश्य है। तकनीक एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से सुशासन और सेवा वितरण प्रणाली को मजबूत बनाने पर भी बल दिया गया। विजन-2027 के अंतर्गत फाउंडेशन फेज की रणनीतियों एवं प्रमुख फोकस सेक्टर्स की जानकारी देते हुए जनपद स्तरीय विजन दस्तावेज तैयार करने हेतु आवश्यक डाटा संकलन एवं कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई।

कार्यशाला में पीएम गतिशक्ति पोर्टल के संचालन एवं उपयोगिता पर भी प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि यह जीआईएस आधारित एकीकृत योजना एवं मॉनिटरिंग प्रणाली है, जो विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर अवसंरचना विकास को गति प्रदान करती है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करते हुए जनपद को विकास के मानकों पर अग्रणी बनाया जाए। उन्होंने समयबद्ध लक्ष्य पूर्ति, विभागीय समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि आजीविका संवर्धन, स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती, पर्यावरण संरक्षण तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में संयुक्त प्रयासों से रुद्रप्रयाग को सतत विकास की दिशा में मजबूत किया जाएगा। कार्यशाला में सीपीपीजीजी विशेषज्ञ प्रियंका चौहान, पीएम गतिशक्ति विशेषज्ञ कैलाश रावत एवं तपन घोष, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संदीप भट्ट, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र बिष्ट, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेन्द्र बिष्ट, खण्ड विकास अधिकारी ऊखीमठ अनुष्का, खण्ड विकास अधिकारी अगस्त्यमुनि सुरेश शाह, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, जिला समाज कल्याण अधिकारी टीआर मलेठा, जिला पर्यटन विकास अधिकारी राहुल चौबे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा से लेकर रोजगार तक के लिए संकल्पबद्ध है सरकार:धामी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि प्रदेश सरकार बेटियों के जन्म से लेकर उनकी शिक्षा, सुरक्षा और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को नंदा गौरा योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रदेश की 33,251 बालिकाओं के खाते में डीबीटी के माध्यम से 1,45,93.00 (एक अरब पैंतालीस करोड़ तिरान्नबे लाख रुपए) की धनराशि हस्तांतरित की।

मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जन्म के समय बेटा- बेटी के बीच होने वाले भेदभाव को समाप्त करते हुए, कन्या जन्म को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदेश सरकार नंदा गौरा योजना संचालित कर रही है। इसके तहत राज्य सरकार द्वारा बालिका के जन्म पर 11 हजार रुपए और बेटी के 12वीं पास करने पर उच्च शिक्षा के लिए 51 हजार रुपए की धनराशि प्रदान की जा रही है।

❑नंदा गौरा योजना के तहत 33 हजार से अधिक बेटियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से पहुंची राशि

उन्होंने कहा कि योजना के तहत अब तक 3,77,784 (तीन लाख सत्तर हजार सात सौ चौरासी) बालिकाओं को कुल 11,68,49.00 रुपए (ग्यारह अरब अडसठ करोड़ उनपचास लाख) की धनराशि जारी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बेटियों की उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन दे रही है, साथ ही शिक्षित होने के बाद रोजगार के लिए भी बेटियों को सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जा रहा है। जिसके बाद अब सरकारी सेवाओं में उत्तराखंड की महिलाओं की स्थिति मजबूत हुई है, इससे सरकारी कार्यालयों की कार्य संस्कृति ज्यादा बेहतर हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार लखपति दीदी योजना के जरिए भी प्रदेश की आम महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि नंदा गौरा योजना कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाने, संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहन देने, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देते हुए, समाज में लैंगिक असमानता को दूर करने के लक्ष्य प्राप्त करने में सफल रही है।

इस मौके पर विभागीय मंत्री श्रीमती रेखा आर्य ने कहा कि, इस वर्ष लाभांवित होने वाली बालिकाओं में 5913, नवजात हैं, जबकि शेष 27338 को 12वीं पास करने पर यह धनराशि मिली है। उन्होंने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस मौके पर सचिव चंद्रेश कुमार, विभागीय निदेशक बंशीलाल राणा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित हुए।

स्थानीय निकायों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने पर मंथन

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन तथा राज्य के छठे वित्त आयोग के अध्यक्ष एन रविशंकर एवं आयोग के सदस्यों द्वारा नगर निकायों (नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत) तथा जिला पंचायतों की वित्तीय आत्मनिर्भरता, प्रशासनिक सक्षमता तथा उन्हें अधिक सक्षम बनाकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में प्रभावी योगदानकर्ता के रूप में उन्नत किए जाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में स्थानीय निकायों-नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत एवं जिला पंचायत द्वारा वर्तमान में फेस की जा रही चुनौतियों पर विचार करते हुए कहा गया कि वित्तीय आत्मनिर्भरता के अनेक अवसर उपलब्ध होने के बावजूद ये निकाय अपेक्षित स्तर तक आत्मनिर्भर नहीं हो पा रहे हैं। इसके पीछे प्रशासनिक एवं नीतिगत प्रवृत्तियों में आवश्यक बदलाव की जरूरत बताई। सीमित स्थानीय राजस्व स्रोत, पारंपरिक सुस्त कार्यशैली, प्रभावी एवं स्पष्ट बायलॉज का अभाव, प्रभावी भूमि प्रबंधन का अभाव तथा अत्यधिक राजनीतिक सेंट्रिक जैसे कारणों के चलते अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो पा रहे हैं।

मुख्य सचिव ने राज्य वित्त आयोग से अपेक्षा की कि स्थानीय शहरी निकायों और जिला पंचायतों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने हेतु उनके स्वयं के संसाधनों, संभावनाओं और क्षमताओं में वृद्धि के लिए व्यावहारिक, समयोचित तथा क्रियान्वयन योग्य सुझाव प्रस्तुत किए जाएं। आयोग ने अवगत कराया कि शहरी निकायों के लिए भूमि प्रबंधन, राजस्व सृजन से संबंधित बायलॉज, कार्य संस्कृति में विशेषज्ञता, नवाचारों का अनुकूलन (एडॉप्टेशन) एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु एक सक्षम इंटरवेंशन की आवश्यकता है। साथ ही यह भी बताया गया कि वर्तमान में जिला योजना का आवंटन एलोकेशन आधारित है, जिसे आवश्यकता एवं परिणाम (नीड एवं आउटकम) आधारित बनाए जाने की जरूरत है। बैठक में आयोग के सदस्य पी. एस. जंगपांगी व एम. सी. जोशी, सचिव नितेश झा, दिलीप जावलकर एवं डॉ. आर. राजेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

फर्नीचर वर्कशाप में लगी आग

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के लक्ष्मण चौक स्थित एक फर्नीचर वर्कशाप में बीती रात भीषण आग लग गई। आग लगने से लोगों में हड़कंप मच गया और लोगों ने इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंची और आधा दर्जन फायर टेंडर आग बुझाने के कार्य में जुटे, जिसके बाद आग पर बमुश्किल काबू पाया गया। जानकारी के अनुसार पास ही एक शादी समारोह में हो रही आतिशबाजी की चिगांरी से वर्कशाप में आग लगने की आशंका जताई जा रही है। गनीमत है कि आग लगने से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन आग लगने से फर्नीचर वर्कशाप में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। नगर अग्निशमन अधिकारी किशोर उपाध्याय ने बताया है कि प्रथम दृदृष्ट्या में शुरुआती जानकारी के अनुसार पास ही एक शादी समारोह में हो रही आतिशबाजी की चिंगारी से वर्कशॉप में आग लगने की आशंका है। आग पर दमकल विभाग की 6 गाड़ियों ने काबू पाया है।

पंजाबी सिंगर को लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने दी जान से मारने की धमकी

हमारे संवाददाता

चंडीगढ़। मशहूर पंजाबी सिंगर-एक्टर परमीश वर्मा और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, परमीश वर्मा को यह धमकी लॉरेंस बिश्नोई के गैंग ने दी है। लॉरेंस गैंग की तरफ से परमीश वर्मा को थ्रेट कॉल आया, जिसमें उनसे 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई। पैसे न दिये जाने पर परमीश वर्मा और उनके परिवार को जान से मारने की बात कही गई है। वहीं जानकारी मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू कर परमीश वर्मा और उनके परिवार की सुरक्षा बढ़ी दी गई है।

बता दें कि परमीश वर्मा इससे पहले गैंगस्टरों का सीधा निशाना बन चुके हैं। 13 अप्रैल 2018 की रात मोहाली में

परमीश वर्मा पर गैंगस्टर दिलप्रीत सिंह बाबा गैंग ने जानलेवा हमला किया था। रंगदारी (20 लाख रुपये) की मांग को लेकर मोहाली के सेक्टर-91 के पास परमीश वर्मा पर फायरिंग की गई थी। उस समय वह किसी कार्यक्रम से अपने घर वापस लौट रहे थे। वह कार में थे। तभी अचानक उनपर गोलीबारी हुई। इस जानलेवा हमले में परमीश वर्मा की जान बाल-बाल बची थी। हमले में उनके पैर में एक गोली लगी। लेकिन घायल अवस्था में भी परमीश वर्मा ने गाड़ी नहीं रोकी। गोली लगने के बाद भी परमीश वर्मा ने खुद कार चलाई और पुलिस को फोन कर सूचित किया। इसके बाद पुलिस पहुंची और उन्हें फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं इस हमले के बाद परमीश वर्मा के सही सलामत बचने पर दिलप्रीत बाबा ने फेसबुक पर पोस्ट डालकर परमीश वर्मा को कहा था कि अगली बार नहीं बचेगा। हालांकि जुलाई 2018 में पुलिस ने गैंगस्टर दिलप्रीत बाबा को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया था। बहरहाल पुलिस अब इस मामले में जांच के बाद कार्यवाही करने की बात कह रही है।

उत्तराखंड के थानों में ई-मेल से भी दर्ज हो सकती है एफआईआर

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। उत्तराखंड के थानों में अब अपराधों की एफआईआर ई-मेल के माध्यम से भी दर्ज करायी जा सकती है। इसके लिये उत्तराखंड के अधिकतर थानों के प्रभारियों की ई-मेल आई. डी. पुलिस विभाग की अधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। यह जानकारी उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय के लोक सूचना अधिकारी द्वारा सूचना अधिकार के तहत उपलब्ध करायी गयी सूचना में दी गयी है।

काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन (एडवोकेट) ने उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय के लोक सूचना अधिकारी से उत्तराखंड के सभी थानों के थाना प्रभारी/प्रभारी निरीक्षकों के कार्यालयों की ई-मेल आई.डी. की सूची जिन पर ई-मेल भेजकर एफ.आई.आर. दर्ज करायी जा सकती हैं, की सूचना चाही थी। इसके उत्तर में लोक सूचना अधिकारी/पुलिस अधीक्षक (प्रो0/मोर्ड0) ममता वोहरा ने अपने पत्रांक 580 के साथ पुलिस अधीक्षक एस.सी.आर.बी. विशाखा अशोक भदाणे के पत्रांक 16/2010 की प्रति उपलब्ध करायी है।

उपलब्ध सूचना के अनुसार उत्तराखंड के सभी थानों के थाना प्रभारी/प्रभारी निरीक्षकों के कार्यालयों की ई-मेल आई. डी. जिन पर ई-मेल भेजकर एफ.आई.आर. दर्ज करायी जा सकती है, उत्तराखंड पुलिस की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

मिली जानकारी के अनुसार उत्तराखंड पुलिस विभाग की अधिकारिक वेबसाइट के होमपेज पर क्लिक करके जिला व थाना सलैक्ट करने पर सम्बन्धित

❑सूचना अधिकार के तहत उपलब्ध करायी सूचना में दी गयी जानकारी

थाना/कोतवाली के क्षेत्र , थाना प्रभारी तथा इससे सम्बन्धित पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) के फोन नं., मोबाइल नं. तथा ई-मेल आई.डी. की जानकारी मिल जाती है। यद्यपि कुछ थानों के प्रभारियों की ई-मेल आई.डी. इसमें उपलब्ध नहीं हैं।

सरल फौजदारी कानून, तथा बी.एन.एस. का परिचय सहित 46 कानूनी व जागरूकता पुस्तकों के लेखक नदीम उद्दीन ने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173 के अन्तर्गत इलैक्ट्रानिक संसूचना द्वारा किसी भी पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी को संज्ञेय (गंभीर) अपराधों की एफ. आई.आर/रिपोर्ट करने का प्रावधान किया गया है। इसके लिये उत्तराखंड सरकार द्वारा उत्तराखंड भारतीय नागरिक सुरक्षा नियमावली 2024 में विस्तृत प्रावधान किये गये है। इससे एफ.आई.आर दर्ज कराने के नाम पर उत्पीड़न व भ्रष्टाचार तथा सिफारिशों के आरोपों में भी कमी आयेगी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।